

परिशिष्ट सारणी V.7: प्राथमिक सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंकों की वित्तीय स्थिति के प्रमुख संकेतक – राज्यवार

(राशि ₹ मिलियन में)

राज्य	2015-16				2016-17				ऋण की तुलना में एनपीए का अनुपात (प्रतिशत)		वसूली अनुपात (प्रतिशत) (जून के अंत तक)	
	लाभ		हानि		लाभ		हानि		2016	2017	2016	2017
	संख्या	राशि	संख्या	राशि	संख्या	राशि	संख्या	राशि				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
उत्तरी क्षेत्र	58	2,593	106	2,769	23	106	121	4,527	43.2	50.4	41.4	22.1
हरियाणा	1	1,465	18	1,007	-	-	19	1,651	67.1	69.2	29.3	15.5
हिमाचल प्रदेश	9	-	11	-	-	-	-	-	5.5	29.9	60.0	58.7
पंजाब	31	717	58	1,280	5	19	84	2,399	28.8	45.0	61.7	19.6
राजस्थान	17	411	19	482	18	86	18	477	43.0	42.5	35.3	33.9
मध्य क्षेत्र	-	-	-	-	-	-	-	-	68.4	-	-	-
छत्तीसगढ़	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मध्य प्रदेश	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पूर्वी क्षेत्र	9	54	15	218	8	89	16	277	43.4	40.6	38.5	36.7
ओडिशा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पश्चिम बंगाल	9	54	15	218	8	89	16	277	43.4	40.6	38.5	36.7
पश्चिमी क्षेत्र	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
महाराष्ट्र	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
दक्षिणी क्षेत्र	239	657	174	1,649	205	1,000	224	1,594	22.0	27.1	69.0	74.2
कर्नाटक	80	110	92	514	23	64	154	883	16.6	54.4	67.5	50.9
केरल	40	236	21	919	22	91	50	685	26.5	26.5	76.3	76.3
तमिलनाडु	119	311	61	216	160	844	20	26	14.3	14.6	32.1	85.3
अखिल भारतीय	306	1,178	295	4,636	236	1,194	361	6,398	37.0	33.0	43.6	44.3

-: लागू नहीं।

टिप्पणियां : 1. पूर्णांकन के कारण घटकों का जोड़ असमान हो सकता है।

2. 2014-15 के दौरान छत्तीसगढ़ के अल्प-कालिक सहकारी ऋण संरचना का दीर्घ-कालिक ऋण संरचना में विलय किया गया है। साथ ही, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और ओडिशा की संरचनाएं अब कार्यरत नहीं हैं।

3. * वित्तीय वर्ष के वसूली संबंधी आंकड़े 30 जून तक के हैं।

4. वर्ष 2016-17 के 8 पीसीएआरडीबी से संबंधित आंकड़े अंतिम हैं।